

प्रेषक,

टीकग सिंह पंचार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक ०९ जून, 2006

विषय: नाबार्ड के अन्तर्गत वित्त पोषित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के लिए वर्ष 2006-07 हेतु धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-2561/मु०अ०वि०/बजट/बी-1, सामान्य दिनांक 27.05.06 एवं शासन का पत्रांक 2646/11-2006-04(28)/04 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नाबार्ड से RADD-X, एवं XI के अन्तर्गत वित्त पोषित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्राविधानित बजट के विरुद्ध रु० 577.33 लाख (रुपये पांच करोड़ सत्तर हजार तीस हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- 1- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं निर्माण कार्य की त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति वित्त विभाग एवं नाबार्ड को भी उपलब्ध कराई जाय।
- 2- उपर्युक्त धनराशि का उपयोग नाबार्ड की गाईडलाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यकता एवं गतिव्ययता का ध्यान रखते हुए किया जाय।
- 3- निर्माण कार्यों में भूकम्प निरोधी तकनीक का प्रयोग किया जाय।
- 4- आवश्यकतानुसार भूगर्भ वैज्ञानिक/ज्योलोजिस्ट से आवश्यक सहमति प्राप्त की जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार महालेखाकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 6- धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकता से अधिक किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य की गुणवत्ता समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।

(2)

- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि संलग्नक में उल्लिखित योजनायें नाबार्ड द्वारा पूर्व में स्वीकृत की जा चुकी हैं। यदि बिना अनुमोदित योजना पर धनराशि व्यय की जायेगी तो उसके समस्त उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का ही होगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.07 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा। पूर्ण उपभोग कर इसका कार्यदार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाणपत्र शारान व नाबार्ड को प्रेषित कर दिया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-20 के आयोजनागत मद के लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय, 01-बाढ़ नियंत्रण (आयोजनागत) 103-सिविल निर्माण कार्य, 03-अनापेक्षित आपातकालीन कार्य नदी में सुधार तथा कटाव, 24-वृष्टि निर्माण कार्य के नामों डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अधिसूचना संख्या 672/ XXVII/5(1)/06 दिनांक 5.6.06 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव।

संख्या 2815 / 11-2006-04(28)/04 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को संलग्नक सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, माओ राज्य मंत्री जी सिंचाई एवं ऊर्जा विभाग के संज्ञानार्थ।
- 2- महालेखाकार, उत्तरांचल।
- 3- वित्त अनुभाग-1
- 4- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/उत्तरकाशी/टिहरी/रूद्रप्रयाग/चमोली/नैनीताल/उधमसिंहनगर।
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय देहरादून।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव।